मौलाना ओबदुल्ला खान आजमी : सर, मैं एक बात अपने टलीफोन के सिलसिले में बता दूं।... (**व्यवधान**)

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی!
میں ایک بات اپنے ٹیلیفونوں کے
سلسلے میں بتا دوں.. (مداخلت)]

MR. CHAIRMAN: You want to ask a question... (*Interruption*)...

श्री सुख राम : सर, उसमें... (**व्यवधान**)

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : चेयरमैन साहब, अगर आपकी इजाजत हो तो एक सवाल मैं कर लूं।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی:
چیرمین صاحب - اگر آپکی اجازت
ہو تو ایک بات میں کر لوں -]

MR. CHAIRMAN: Let the Minister answer. If you want to ask a question, you raise your hand... (*Interruption*)... If you want to ask a question, raise your hand.

(*Interruptions*)

श्रीमती सत्या बहिन : जब आपकी सरकार थी तब मंत्रियों के दरबार में एम.पी. भी नहीं घुस पाते थे।... (**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : आप बताइये, कब आपके साथ ऐसा हुआ?.. (**व्यवधान**)

श्रीमती सत्या बहिन : इधर माननीय सदस्य बठे हैं, यह मान रहे हैं। ... ...(**व्यवधान**)...

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

MR. CHAIRMAN: Please allow th Minister to answer. If you talk amongs yourselves, he cannot go ahead. (*Interruptions*)

SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Si please protect the Members.... (*Inte ruptions*)... Sir, you protect the Mem bers ...(Interruptions)... We want t ask questions.

(*Interruptions*)

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Si there should be a Half-an-Hour Discus sion on this.

MISS SAROJ KHAPARDE: Sir, I de mand that there should be a Half-an Hour Discussion on it... (*Interrup tions*)...

MR. CHAIRMAN: Is the Ministe willing to agree to that?

श्री सुखराम : सर, ऐसा है, क्वेश्चन तो हरियाणा पर है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Let a notice b given.

श्री दिग्विजय सिंह : बहुत सुन्दर कह मंत्री जी ने। सर, हाफ एन आवर।... (**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: For Half-an-Hou Discussion you have to give a notice an we will consider it... (*Interruptions*).. Please give a notice, we will consider i Then may I go to the next questio which is also about telephones?... (*I terruptions*)... Q. No. 23. Shri Ramd ...(*Interruptions*) Shri Ramdas Aga wal. Q. No. 23.

Telephone services in Delhi

*23. SHRI RAMDAS AGARWAI Will the Minister of COMMUNICA TIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that man faults crept into the cables laid b MTNL causing inconvenience to sys

seven lakh phone subscribers in the Capital;

(b) whether it is also a fact that there are around 12,000 complaints still required to be attended to as on date if so, what are the reasons therefor;

(c) what steps MTNL have taken to cease the subscribers grievances and till date how many telephones are still lying 'dead' and by what time these are likely to be made 'live';

(d) whether it is a fact that MTNL is increasing Delhi's capacity by another 1.92 lakh under the expansion plan during 1993-94 but not taking adequate steps to recruit efficient technical staff to look after the faulty cables laid by it; and

(e) if so, what is the present staff strength and what is the actual requirement?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) to (e) Information is placed on the Table of the House as per statement.

Statement

(a) Sir, around 20,000 telephones on 7|7|93 and another 20,000 in following three days out of a total of 6,97,266 had become non operational due to ingress of water|moisture in the underground cables due to heaviest ever rainfall since 1984 that lashed the capital on 7.7.93 leading to widespread water logging in the city.

(b) As on date around 7000 complaints in respect of faulty telephones due to underground cable faults are required to be attended. Although the restoration parties are at work continuously, frequently heavy showers do hamper the progress of the restoration work.

(c) Special easy to remember telephones under 'help Line' have been opened for convienience of the customers. Around 7000 telephones due to underground cable faults are pending on date those are expected to be cleared in the next few days.

(d) Tentative plans have been drawn to add the gross capacity of 1.92 lakh lines and a net capacity of 1.66 lakh lines after replacement. This is subject to timely availability of equipment, other materials and financial resources.

(e) All adequate steps to recruit efficient technical staff have been taken DOT instructions and guidelines from time to time are kept in view at the time of making the recruitments. Such recruitments are being made after conducting competitive examinations, holding of DPCs, attitude tests etc. The selected candidates are further given induction training in Training Centres before posting them on actual duties. The position regarding the present staff strength and the justified sanctioned strength as on 1.7.93 for MTNL Delhi Unit is given as under:—

Sanctioned Strength	Working Strength including temporary status mazdoor.
29320	28363

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय, जबसे माननीय सुखराम जी मंत्री बने, उसके बाद आज सदन में कितने लोग दुःखी हैं उससे पता कर सकते हैं कि उनका नाम कितना अच्छा, कितना बढ़िया है। मैं समझता हूं कि संसद में बैठे 200 लोग सुख राम जी के बारे में यह कल्पना रखते हैं तो दिल्ली महानगर टेलीफोन निगम, उन्होंने खुद यह स्वीकार किया है कि 40,000 से ज्यादा टेलीफोन खराब रहे हैं, तो वह बेचारे टेलीफोन उपभोक्ता सुबह उठकर सुखराम जी को तो याद करते हैं। राम को तो याद कर सकते हैं, लकिन सुख को तो याद नहीं कर सकते हैं। सुख तो दे ही नहीं पा रहे हैं आप। महोदय, मैंने यह सवाल पूछा हैं कि दिल्ली

महानगर टेलीफोन निगम के लिए, लेकिन हालत यह है . . . (**व्यवधान**) . . .

कु० सरोज खापर्डे : राम के दास सुखराम जी से सवाल पूछ रहे हैं।

श्री रामदास अग्रवाल : लेकिन, सुखराम अगर सुख दें तो। मैं तो राम का दास हूं, इसलिए मैं तैयार हूं दास रहने के लिए। यह सुख तो दें किसी को। आप में से कोई खड़ा हो जाए, जो यह कहे कि वह बहुत सुख दे रहे हैं हमको टेलीफोन विभाग में। खड़ा हो जाए कोई।

महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि वर्षा आ गई और टेलीफोन खराब हो गए, यह बहाना मिल रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि आखिर करोड़ों, हजारों करोड़ रुपया संचार व्यवस्था पर खर्च हो रहा है इस देश का, उपभोक्ता को इससे कोई मतलब नहीं कि आपका इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट काम करता है या आपका टेलीफोन विभाग काम करता है, या बरसात आ गई या बिजली गिर गई या और कुछ हो गया, अगर ऐसे आपातकालीन समय पर भी टेलीफोन काम न करें तो फिर टेलीफोन की क्या उपयोगिता है ? यह सवाल आपके सामने कभी आया है अगर मेरे घर में बाढ़ आ गई और मेरे घर में फोन है और मैं फोन करना चाहता हूं . . .

MR. CHAIRMAN: Please ask your question.

श्री रामदास अग्रवाल : महोदय, यह क्वेश्चन का जो जवाब आया है, उससे सम्बन्धित है।

MR. CHAIRMAN: Second supplementary you can ask afterwards.

श्री रामदास अग्रवाल : मैं ज्यादा नहीं बोलता, मैं केवल एक बात ध्यान में लाना चाहता हूं कि यह वर्षा का बहाना बनाया रहा है। अगर वास्तविकता में इस विभाग को ठीक करना है तो मैं मंत्री जी आपसे यह जानना चाहता हूं, मेरे प्रश्न का पहला भाग है कि क्या आपने यह जानकारी की है कि आपके अंडरग्राउंड केबल में पानी क्यों चला जाता है ? क्या अंडरग्राउंड होने के बाद डक्टिंग करने का काम आप कर रहे है क्या डक्टिंग के बाद भी उसमें होल हो जाता है और उसमें पानी चला जाता है ? आखिर क्या कारण हैं ? कोई टेक्निकल रीज़न तो होंगे आपने इसमें केवल बरसात का बहाना लगाकर उपभोक्ता को भगवान इन्द्र के भरोसे छोड़ दिया, यह नहीं हो सकता। इसलिए मेरे प्रश्न का पहला भाग है कि क्या टेक्निकली आपने यह एग्ज़ामिन किया है कि अंडरग्राउंड केबल होने के बावजूद भी यहां केबल क्यों खराब होते हैं ? मैं इसका पहले आपसे जवाब चाहता हूं, उसके बाद मैं आपने प्रश्न का दूसरा भाग पूछूंगा।

MR. CHAIRMAN: His first supplementary is over.

श्री रामदास अग्रवाल : नहीं सर, मैंने तो एक सप्लीमेंटरी का पहला भाग पूछा है।

श्री सुखराम : सर, मुझे खुशी है कि माननीय सदस्य को मेरे नाम से मदद मिलती है। वैसे राम के नाम से तो अपनी राजनीतिक नैया को पार लगाना चाहते है और मेरे नाम से अगर आपको मदद मिलती है तो मुझको इससे ज्यादा और खुशी नहीं हो सकती। जहां तक इस बात का प्रश्न है, मैं यह बात मानता हूं कि भारी वर्षा हुई और जिसकी वजह से अंडरग्राउंड केबल है, यह हो सकता है कि इस मौके इसका इम्प्लीमेंटेशन हुआ, यह स्कीम जो बनी, उस मौके जो ज्वाइंडर है उसमें कुछ कमियां रही होंगी। . . . (**व्यवधान**)

श्री रामदास अग्रवाल : मैं टेक्निकल रीज़न पूछ रहा हूं कि क्या कारण है, क्या आपने इसकी जानकारी की है कि अंडरग्राउंड केबल में गडबड़ क्यों होती है ?

श्री सुखराम : या तो आप ही बोलते रहिए या . . **(व्यवधान)** . . .

श्री रामदास अग्रवाल : नहीं, आप बोलिए मैं तो आपसे पूछ रहा हूं।

श्री सुखराम : मैं यह कह रहा था कि उसमें जो अंडरग्राउंड केबल थी, मैं उसकी जांच करवा रहा हूं कि क्या वजह थी कि इतनी तादाद में ये टेलीफोन खराब हुए ? मगर वर्षा की वजह से, कुछ डेवलपमेंटल एक्टीविटीज़ चलती है, कहीं पी.एच.ई. वाल अपने पाइप अंडरग्राउंड डाल देते है और कहीं दूसरे विभाग वाले, कहीं सड़कें वगैरह बनती है और उसकी वजह से डैमेज होता है। और मैं आपको बताऊं कि एक जगह ग्यारह के०वी०ए० का जो स्टेशन है, उनका जो पाइप था उसमें खराबी आ गई और उसकी वजह से हमारा जो केबल था, वह दो-चार जगह से जल गया। उसकी वजह से कुछ परेशानी भी आई मगर हमारी कोशिश यह रही कि उसमें जल्दी सुधार किया जाए। मगर जब तक बारिश हो रही थी, उसमें सुधार मुश्किल है। अब कोई सात हजार हमारे टेलीफोन ऐसे हैं जो ठीक करने को हैं, वह शायद जल्दी ही, दो-चार दिनों में ठीक हो जायेंगे। मुझे अफसोस है और मैं मानता हूं कि इस बार इतनी भारी वर्षा में बहुत परेशानी हुई लोगों को।

श्री रामदास अग्रवाल : टैक्निकल डेफिशिएंसी का रीज़न ही नहीं आया।

SHRI SIKANDER BAKHT: Sir, he is digressing from the supplementary ... (*Interruptions*)...

SHRI RAMDAS AGARWAL: My question has not been answered at all. I asked what are the technical reasons are and whether he has discussed it with the technical officers or not. He is the Minister concerned and he must reply properly.

यानी आज अगर पानी पड़ जाएगा तो चार फुट नीचे जो अंडरग्राउंड केबल है केबल हैं उसमें पानी भर जाएगा, कौन मान लगा? दूसरे देशों में पानी और बर्फ नहीं पड़ती है क्या ?

श्री सुखराम : केबल डैमेज हो गया, उसमें पानी चला गया और उसकी वजह से फाल्ट हो गया।

श्री रामदास अग्रवाल : मैं यही तो पूछ रहा हूं कि क्यों चला गया ? यही तो मैं जानना चाहता था कि चार फट अंडरग्राउंड में क्यों चला गया ? महोदय, मुझ अफसोस है कि मेरे प्रश्न का प्रापरल उत्तर नहीं दिया गया।

MR. CHAIRMAN: Your second supplecentary.

श्री रामदास अग्रवाल : मैं पूछ रहा हूं। मैं दूसरा प्रश्न मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि आपको इस बात का ध्यान आ गया हैं थोड़ा सा कि कई-कई मंत्रालयों के विकास के काम या तोड़फोड़ के काम या बिजली विभाग के काम या पी.डब्लू.डी. के काम या रोडवेंज के काम या किसी और विभाग के काम चलते रहते हैं सड़कों पर और उसके कारण आपके केबल डिस्टर्ब होते हैं, क्या आपने कोई इस प्रकार का प्रयत्न किया हैं कि इंटर डिपार्टमेंट डिसिप्लिन मेंटेन हो ताकि कम से कम टेलीफोन केबल के ऊपर किसी प्रकार का आधारत इस प्रकार के काम करने से न हो ? क्या आपने इस प्रकार का कोई प्रयतन किया है और अगर किया हैं तो क्या उसके कोई सही परिणाम आपको मिले हैं ?

क्या आपने इस बात का कोई प्रयत्न किया हैं और अगर किया है तो क्या उसके सही परिणाम आपको मिल हैं और अगर सही परिणा नही मिलत है तो यह जो दूसरे डिपामेंट आपके टेलीफोन केबिल को डिस्टर्ब कर देते हैं तो उसके लिए सरकार क्या कठोर कदम उठाएगी ? यह मेरा दूसरा प्रश्न है।

श्री सुखराम : सभापति जी, जब मेरे नोटिस में यह बात आई तो मैंने यह

कहा है कि मैं दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन में भी इसको टेकअप कर रहा हूं। इसके लिए हाई लेबिल पर एक कोआर्डिनेशन कमेटी बननी चाहिए, जिसमें जो सम्बन्धित विभाग हैं वह उसमें तय करें कि किस तरह से आपस की एक्टिविटीज को कोआर्डिनेट करें। चाहे वह केबिल दूसरे विभाग का है, चाहे वह डी०ओ०टी० का है या एम०टी०एन० एल० का है, वह उसको डिस्टर्ब न करें। इसके लिए मैं प्रयत्न कर रहा हूं कि सभी विभागों की हाई लेबिल पर एक कोआर्डिनेशन कमेटी बने, जो कि भविष्य में इस बात को देखगी। इसके बारे में मैंने मालूम भी किया तो पीछ एसी कोई कोआर्डिनेशन कमेटी बनी नहीं थी। मगर जब यह प्रश्न मेरे सामने आया तो मैंने आदेश दिए हैं और मैं अपने विभाग, मंत्रालय को आदेश दे सकता हूं, मगर जो दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन है, उनसे मैं जरूर टेकअप कर रहा हूं ताकि ईस संबंध में आग लोगों को परेशानी न हो तथा इस संबंध में वह जरूर विचार करें।

श्री रामदास अग्रवाल: दिल्ली में गवर्नर का शासन सेंट्रल के अन्तसत ही है कम से कम उसके साथ बैठकर कोआर्डिनेशन करा सकते हैं, कम से कम उपभोक्ता का इतना तो क्या ख्याल कर ही सकते है।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी: सर, दोनों हाऊस के मेम्बरान की यह शिकायत बिल्कुल जायज है कि हमारे फोन का बिल फोन न करने पर भी बहुत ज्यादा आता है और एसे-एसे नम्बरों के बिल आते हैं जिन नम्बरों को हम जानते ही नहीं हैं, मालूम नहीं कि यह नम्बर कौन नम्बरी लोग जसमें भरते हैं। इसके जो डिटेल्स आते हैं, उसमें मैं यह समझता हूं कि टेलीफोन विभाग के जरिए गलत बिल आता है। इसका दुरुपयोग वहीं से किसी न किसी ढंग से होता है। मसलन, हमारे हाउस में हमारे कुलीग हैं–भंडारी जी, सर, उनका एक महीने का 30 हजार रुपए का बिल आया है। जबकि लोग न फारेन में टेलीफोन करते हैं, न बम्बई और न कलकत्ता। कमला सिन्हा जी भी यहां बैठी हुई हैं। उनका एक लाख तीस हजार रुपए का बिल आया है। मिसेज कैलाशपति जी हैं, उनका पौने दो लाख का बिल आया है। 12–14 हजार रुपए का बिल मेरा भी बढ़ा हुआ है। शारदा भाई का एक लाख का बिल आया है। कोई भी एम.पी. एसा नहीं हैं जो सचमुच में दुखी न हो। मैं श्री सुखराम जी का एतराम करते हुए उनसे यह गुजारिश करता हूं कि आप अपने डिपार्टमेंट पर सख्त निगाह रखें। वहां इस चीज का पूरा का पूरा दुरुपयोग होता है मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हाउस कमेटी बनाकर इसकी जांच करेंग और एम०पी०ज० के साथ जो यह फोरजरी हो रही है और यह जो इतना बिल आया है इसको माफ करने का ख्लान करें।

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی:

سر دونوں ھاؤس کے ممبران کی یہ شکایت بالکل جائز ھے کہ ھمارے فون کا بل فون نہ کرنے پر بھی بہت زیادہ آتا ھے اور ایسے ایسے نمبران کے بل آئے ھیں جن نمبروں کو ھم جانتے ھی نہیں کہ یہ نمبر کن نمبری لوگ اس میں بھر دیتے ھیں - اسکے جو ڈیٹیلس آتے ھیں اسمیں میں سمجھتا ھوں کہ ٹیلیفون ایکسچینج کے ذریعہ غلط بل آتا ھے - اسکا در اصل دوسرے وھاں سے کسی نہ کسی ڈھنگ سے ھوتا ھے - مثلاً ھمارے ھاؤس میں ھماری کلیگ ھیں - بھنڈاری جی سر - انکا ایک مہینہ کا ۳۰ ھزار روپیہ کا بل آیا ھے - جبکہ لوگ نہ فارن میں ٹیلیفون کرتے ھیں نہ بمبئی

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

اور کلکتہ - کہلا سلہیا جی بھی یہاں بیٹھی ہوئی ہیں انکا ایک لاکھ تیس ہزار روپیہ کا بل آیا ہے - مسز کیلاش پتی جی ہیں انکا پونے دو لاکھ کا بل آیا ہے - ۱۲—۱۳ ہزار کا بل میرا بھی بڑھا ہوا ہے - شاردا بھائی کا ایک لاکھ کا بل آیا ہے - کوئی بھی ایم - پی - ایسا نہیں ہے جو سچ مچ میں دیکھی نہ ہو - شری سکھ رام جی کا احترام کرتے ہوئے ان سے یہ گزارش کرتا ہوں کہ آپ اپنے ڈیپارٹمنٹ پر سخت نگاہ رکھیں وہاں اس چیز کا پورا پورا درایوگ ہوتا ہے - میں پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا آپ ہاؤس کمیٹی بناکر اسکی جانچ کرینگے اور ایسے پیز کے ساتھ جو یہ فورجری ہو رہی ہے اور یہ جو اتنا بل آیا ہے اسکو معاف کرنے کا اعلان کریں -]†

श्री सुखराम : मैंने आपको बता दिया है कि माननीय सदस्यों की कमेटी इसको जरूर देखेगी। मैं यह जानता हूं कि बहुत सी जगह परेशानी हो गई है। यह भी मुमकिन है कि हमारे जो कुछ लोग हैं इसका दुरुपयोग करते होंगे, इससे भी मैं इंकार नहीं करता हूं। इसके लिए जहां तक इलेक्ट्रोनिक एक्सचेंज हैं उसमें तो आपको डॉयनेमिक लॉक की फेसिलिटी मिलती है, उसमें आपको परेशानी नहीं हो सकती। लेकिन प्रश्न जो अब हमारे सामने है, वह यह है कि जो इलैक्ट्रो मकैनिकल एक्सचेंज हैं, जो करीबन आज 50 हैं.... **(व्यवधान)**

श्री वीरेन जे० शाह : इलेक्ट्रोनिक एक्सचेंज में भी गड़बड़ होती है। मेरे साथ बम्बई में हुआ है।

मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी : सिर्फ एक बात मैं कहना चाहता हूं। वह तो लॉक है। इसके बाद भी जो डिटेल्स आते हैं उसमें ऐसे नम्बर आते हैं जिन नम्बरों का हमें पता ही नहीं होता और वह बाकायदा उसमें भरा हुआ होता है।

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی :

صرف ایک بات میں کہنا چاہتا ہوں - وہ تو لاک ہے - اسکے بعد بھی جو ڈیٹیلس آتے ہیں جن نمبروں کا ہمیں پتہ ہی نہیں ہوتا اور وہ باقاعدہ اسمیں بھرا ہوا ہوتا ہے -]

एक माननीय सदस्य : मैंने भी लॉक करके रखा है।

श्री सुखराम : मैंने आपसे कहा कि वह तो आपकी ही कमेटी उसको देखेगी जिसको मैं बहुत जल्दी बनाने वाला हूं। आप इसमें सुझाव देंगे। मगर मैं आपसे एक बात कह रहा हूं कि अभी जो फुल प्रूफ हैं वह तो इलैक्ट्रोनिक एक्सचेंज ही हैं जिसमें आपको डॉयनेमिक लॉक की फेसिलिटी मिलती है। इसमें कोई भी व्यक्ति एक्सचेंज में बैठ करके आपके टेलीफोन का दुरूपयोग नहीं कर सकता है। यह हो सकता है जो इलैक्ट्रो मकैनिकल एक्सचेंज हैं उसमें मेनिपुलेशन की कोई गुंजायश रहती होगी।

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्रीमती कमला सिंहा : मंत्री जी, कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जिसके टेलीफोन में ओवर बिलिंग नहीं हुई होगी, फ्रॉड्यूलेंट बिलिंग नहीं हुई होगी। किसी से पूछलें।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : 8–8 लाख रुपए का जो बिल आया है इसको ये लोग कैसे भरेंगे... **(व्यवधान)**

श्री सुखराम : इस समस्या का समाधान गुस्से से नहीं होगा... **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please allow the Minister to answer.

श्री सुख राम : उसके लिए कोई हमको बात देखनी पड़ेगी, कोई रास्ता निकालना पड़ेगा कि कैसे यह मसला हल हो सकता है... **(व्यवधान)**

SHRI SIKANDER BAKHT: I am sorry, Sir, he is not coming to the point. How does he propose to protect the subscriber? That is the point. What is he goin gto do about it?

SHRI SUKH RAM: Sir, there is a Consumer Protection Act, and enough protection has been given under that Act also. It is the cheapest and the quickest, and the consumer can go to that forum at the district level, at the State level, and at the Central level. That is one relief which has been given to you. As far as over-billing and other complaints are concerned, I have also stated that a Committee of this House will look into the matter. Whatever they propose to how this problem has to be solved, will definitely look into it. And whatever is within my power, I can assure the hon. Members that I will do everything possible to protect the interest of the users.

एक माननीय सदस्य : एक लाख रुपए के बिल का क्या होगा... **(व्यवधान)**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी जो 8–8 लाख रुपए का बिल आया है उसका क्या होगा?

SHRI SUKH RAM: Sir, may I also add that I am also issuing instruction to the Department that the TAC should meet every month? And all these individual cases have to be discussed at that level so that all these individual cases are not brought to this House. You have every right to bring anything before the House. But if they can be sorted out at that level, I think, your burden will also decrease.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी सर, ये 8–8 लाख का जो बिल आया है, इसके लिए क्या डिसीजन ले रहे हैं? जो हमारा अधिकार है, हम अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। आपके ऑफिस में कोई सुनने के लिए तैयार नहीं होता।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی:
یہ جو ۸—۸ لاکھ کا جو بل آیا
اسکیلئے کیا تسیرن لے رہے ہیں۔
جو ہمارا اختیار ہے۔ ہم اپنے اختیار
کا استعمال کر رہے ہیں آپکے آفس
میں کوئی سننے کیلئے تیار نہیں
ہوتا۔]

! [ ] Transliteration in Arabic Script.

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? If the House wants a discussion, we can have it later on and I will stop this Question at this moment because we cannot go on like this. If you have regulated supplementaries, I am prepared to listen to that. But if everybody stands up, we cannot go ahead like this. Yes, Mr. Gujral.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, I have a specific question.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Sir, I come back to the original question. I have sympathy with the Minister, sympathy because of lack of knowledge. The point is that he has spent millions of rupees in updating the technology hoping that the system would work more efficiently. The hon. Minister tells us that since it rained, the system stopped. I think he is aware that there are some countries where it also snows very heavily. There are also countries which are also snow-bound for years, yet the telephone systems work, they never default. What is the use of spending so much money on new technology if your system cannot be updated? If it rains, the system does not work. If it does not rain, the system does not work. May I ask him whether he has looked into this thing that the new technology requires change of attitude, change of knowledge, and at the same time change of supervision at the Ministerial level? What steps is he going to take to see that the Minister's own knowledge about the new technology is updated and also, in the same sense, he is able to ensure that the vagaries of climate do not affect the functioning of the telephones?

श्री सुखराम : सर, माननीय सदस्य तो बड़े नोलेजेबल हैं और उनका तजर्बा बहुत है, मैं मानता हूं इस बात को। दिल्ली में अभी हाल में जो बारिश हुई उसकी वजह से केबल्स डैमेज हुई और उसकी वजह से परेशानी हुई। उसके कई कारण हैं। मगर जहां तक मार्डेनाइजेशन का सवाल है, मार्डेनाइजेशन भी हम कर रहे हैं। इसके दो हिस्से हैं। एक तो सिस्टम है जिसके अंतर्गत हम वर्ल्ड की लेटेस्ट टेक्नोलोजी इस देश में ला रहे हैं। उसकी करीब एक लाख लाइनें हम दिल्ली में ला रहे हैं। आप खुद मंत्री रहे हुए हैं, इस लिए आपको बड़ा तजुर्बा भी है लेकिन जो ट्रांसमिशन सिस्टम हमारा है उस को माडर्नाइजेशन तो आज हो रहा है और माडर्नाइजेशन ही नहीं, उस का ऐक्सपेंशन भी हम कर रहे हैं, माडर्नाजेशन भी कर रहे हैं। लेकिन आप यह कहें कि ओवरनाइट हम इस सारे सिस्टम को बदल देंगे, वह कैसे हो सकता है? उसमें समय लगता है।

जहां तक ओवर बिलिंग का सवाल है, अगर हम इलेक्ट्रॉनिक ऐक्सचेंज सारे देश में लगा सकें तो बिलिंग में गड़बड़ नहीं होगी लेकिन अभी तक हमारे पास 50 परसेंट इलेक्ट्रो-मेकेनिकल ऐक्सचेंज हैं। इलेक्ट्रॉनिक ऐक्सचेंज लगाने से हम इस मसले को हल कर सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आपके पास फाइनेंस कितना है। आप इसको कर सकते हैं और यह भी मैं जानता हूं कि आज रेडियो सिस्टम दुनिया में आ गया है जिसमें न तो ओवर हैड लाइन लगाने की जरूरत है, न केबल बिछाने की जरूरत है। वह संसार में आज इंट्रोड्यूस कर रहे हैं। मगर ये सिस्टम तो अभी आए हैं। वह जो बाहर के देश हैं वह बहुत आगे बढ़े हुए हैं। मैं भी ऐसे प्रदेश से आता हूं जहां पर स्नो रहती है, वहां पर ओवरहैड लाइन चलती नहीं है। इसी वास्ते हमने डिसीजन लिया है कि हम सारे देश में रेडियो सिस्टम जिसमें माइक्रोवेव है, यू.एच.एफ. है, बी० एच. एफ. है वह हमें करना है। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर इतने बड़े विशाल देश में यह काम करने के लिए आपके पास धन कितना है, उसी के मुताबिक हम कर सकते हैं। इसी वास्ते आज इस बात की आवश्यकता पड़ रही है कि प्राइवेट सैक्टर को भी इस क्षेत्र में हम काम करने का मौका दें।

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: About over-billing, may I suggest to him for consideration whether he can take a decision that a consumer by paying something extra can have a parallel metter installed at his own residence? In that case it will be possible to keep a check. This is done in several parts of the world. I would urge you to please look into this because in that case every consumer will know the number of calls being registered at the matter. Unless you do that, you will not be able to stop the misuse of the meters.

SHRI SUKH RAM: I will have this proposal examined.

MR. CHAIRMAN: Next question.

Decontrol of Cotton Export

*24. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: SHRI P. UPENDRA: †

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have taken any decision to decontrol cotton exports;

(b) whether textile manufacturers in the country have expressed their opposition to this decision; and

(c) what steps Government are taking to safeguard the interests of the domestic textile manufacturers?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) No, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The Government has been maintaining a cautious policy on exports, striking a careful balance between the interests of the cotton farmers on the one hand and the handloom weavers an the textile industry on the other. A clos watch is also kept on the general cotto situation and the movement in cotto prices in determining the need, quantur and timing of releases of cotton fo exports.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri P. Upendra

SHRI P. UPENDRA: I have no quarrel with the Minister when he says that he is maintaining a cautious policy on exports, keeping in view the interests of the farmers and the textile manufacturers including the handloom weavers. My complaint is that only an ad hoc policy is being adopted every year. As a result, both farmers and textile manufacturers are suffering. The benefits of higher prices is not going to the farmers and the middlemen are cornering it whereas the handloom weavers, the powerloom weavers and the textile manufacturers are worried about regular supply of cotton. Will the Minister adopt a policy by which he can decide the total anticipated production during the season or immediately after the arrival of the season so that we can decide as to what is going to be the domestic requirement of cotton for various sectors and then decide as to what is the balance left which can be exported? If this policy is adopted, it will help the farmers as well as the textile manufacturers. Our textile exports are going up everyday bringing valuable foreign exchange to the tune of thousands of crores of rupees. Similarly, we should not be short-sighted in exporting our cotton in a hurry. The farmers will be benefited at any rate even if the domestic consumption increases. Therefore, he should decide the export policy cautiously. Will the Minister adopt this policy of deciding the exportable surplus first and then giving quotas for exports?

श्री जी० वेंकटस्वामी : आनरेबल मैम्बर ने जो क्वेश्चन पूछा वह बहुत ही महत्वपूर्ण क्वेश्चन है। एक ट्रेडर्स की लॉबी हमारे देश में चल रही है, ग्रोअर्स के नाम पर कॉटन का एक्सपोर्ट करने